संपादकीय

रिश्तों की जटिलताएं

भारत-अमेरिका के रिश्तों में उपजी जटिलताओं के बीच नई संभावना तलाशने तथा जी-20 बैठक में ट्रंप व मोदी की बातचीत की आधारभूमि तय करने अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो पिछले दिनों भारत में थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री एस.जयशंकर से भी मुलाकात की। हालांकि, सरकार ने रूस से खरीदी जाने वाली पांच अरब डॉलर की एस-400 रक्षा प्रणाली के बाबत स्पष्ट कर दिया कि भारत राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही कदम उठायेगा। अमेरिका नहीं चाहता कि भारत रूस से यह तकनीक खरीदे और वह कार्रवाई की चेतावनी भी देता रहा है। वहीं भारत ने जता दिया कि वह किसी देश से पुराने संबंधों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। वह रणनीतिक साझेदारी के साथ प्रत्येक देश की क्षमता तथा दूसरे देश के राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करेगा। वहीं सरकार ने इस बात को भी स्वीकारा कि भारत व अमेरिका की साझेदारी गहन व व्यापक समन्वय पर आधारित है। वहीं पोम्पियो के भारत दौरे के बाद मोदी से मुलाकात से पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट करके जताया है कि भारत को अमेरिकी उत्पादों पर लगाये गये टैरिफ वापस लेने होंगे। ट्रंप का कहना है कि भारत वर्षों से अमेरिकी सामान पर टैरिफ लगाता रहा और भारत ने हाल ही में उसमें वृद्धि की है। साथ ही यह?भी कहा कि वे नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने को उत्सुक हैं। कहीं न कहीं माइक पोम्पियो दोनों देशों की रिश्तों में उपजे अंतर्विरोधों को दूर करने तथा जापान के ओसाका शहर में आयोजित होने वाली जी-20 शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं में विभिन्न मुद्दों पर समझ बनाने की कोशिश में भारत आये थे। यूं तो मोदी व ट्रंप में बेहतर समझ की बात कही जाती है मगर दोनों ही नेता अपने-अपने राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देते हैं, जिसके चलते संबंधों में कुछ ऊंच-नीच होती रहती है।

हाल ही में ट्रंप शासन ने भारत को व्यापारिक वरीयता प्राप्त राष्ट्रों यानी जीपीएस के रूप में मिली छूट को वापस ले लिया?था। यानी इसके अंतर्गत आने वाले भारतीय उत्पादों पर अब दस फीसद टैक्स लगाया जायेगा। इसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तल्खी आई है। अमेरिका के फैसले के बाद भारत के करीब छह अरब डॉलर के उत्पाद अब टैक्स के दायरे में आ जायेंगे, जिसके बाद भारत ने भी कुछ?अमेरिकी उत्पादों पर कर बढ़ाए हैं। मगर ?इसके बावजूद दोनों देश बेहतर रिश्तों की कोशिश में हैं। पिछले दिनों अमेरिका में भारत व अमेरिकी कारोबारियों की बैठक में माइक पोम्पियो ने नरेंद्र मोदी को लेकर भारत में गढ़ा जुमला दोहराया था– 'मोदी है तो मुमकिन है।' दरअसल ट्रंप सरकार को भरोसा है कि बड़े जनमत से फिर सत्ता में आये मोदी ही दोनों देशों के रिश्तों में मतभेदों को दूर कर सकते हैं। जाहिर है ओसाका में दोनों देशों के नेताओं के बीच होने वाली बैठक में टैरिफ विवाद, रूस-भारत के बीच रक्षा समझौता, ईरान से तेल खरीद पर प्रतिबंध, आतंकवाद, अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद की कूटनीति और वीजा से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। भारत व अमेरिका में यूएस की ई-कामर्स कंपनियों के बीच डेटा संग्रहण के मुद्दे पर भी विवाद रहा है। भारत चाहता है कि यहां काम करने वाली अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनियां भारतीय कारोबार का डाटा स्थानीय स्तर पर संगृहीत करें। हालांकि, यह तय है कि पिछले दो वर्ष में ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था में जो सुधार आया है और बेरोजगारी अप्रत्याशित रूप से घटी है, आसन्न अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव के मद्देनजर ट्रंप शायद ही भारत को कोई छूट देना चाहें। ट्रंप ने इससे पहले चीन, मैक्सिको व अन्य यूरोपीय देशों के उत्पादों पर भी कर लगाकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश की है।

बैंकों को लगा साढ़े 14 हजार करोड़ का चूना

» पीएनबी घोटाले से बड़ा निकला संदेसरा स्कैम

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी अभी तक भारत की गिरफ्त में नहीं आए हैं और इसी बीच एक और घोटाले ने सबके होश उड़ा दिए हैं। इस घोटाले को संदेसरा ब्रदर्स ने अंजाम दिया। प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड/संदेसरा ग्रुप और इसके प्रमोटर नितिन संदेसरा, चेतन संदेसरा और दीप्ती संदेसरा ने भारतीय बैंकों को 14 हजार 500 करोड़ से ज्यादा का चूना लगाया है जबकि नीरव मोदी ने 11 हजार 400 करोड़ रुपये का

बैंक फॉड किया है। एसबीएल और प्रमोटरों के खिलाफ सीबीआई ने अक्टूबर 2017 में धोखाधड़ी और 5 हजार 383 करोड़ रुपए के बैंक फॉड का केस दर्ज किया था। इसके आधार पर ईडी ने भी मामला दर्ज किया था। सूत्रों के मुताबिक ईडी की जांच में पता चला कि संदेसरा ग्रुप की विदेशों में स्थित कंपनियों ने भी भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं से 9 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया था।

संदेसरा ब्रदर्स के कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार और वरिष्ठ नेता अहमद पटेल के करीबी होने का आरोप लगता रहा है। पटेल के बेटे फैजल पटेल और दामाद इरफान सिद्दीकी स्टर्लिंग बायोटेक में शामिल बताए जाते हैं। कंपनी का पता भी अहमद पटेल के आवास का बताया जाता है। कंपनी के सारे लेन-देन इसी पते से होते थे। ईडी के एक अधिकारी के मुताबिक, स्टर्लिंग बायोटेक लिमिटेड ने भारतीय बैंकों से इंडियन और फॉरिन दोनों तरह की करेंसी में लोन हासिल किया था। संदेसरा ब्रदर्स ने ये लोन आंध्रा बैंक, यूको बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया. इलाहाबाद बैंक और बैंक ऑफ इंडिया से ले रखा है।

ग्राहकी सुस्ती से सोना-चांदी में गिरावट

इंदौर (आरएनएस)। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में ग्राहकी कमजोर होने से हाजिर भाव नरमी लिए बताए गए। बीते सप्ताह में सोना 125 रुपये नीचा बिका। चांदी के भाव में 550 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार की शुरुआत में सोना 34850 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार को 34725 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में कारोबार की शुरुआत 38675 रुपये पर हुई वहीं अंतिम दिन चांदी में सौदे 38125 रुपये प्रति किलो के स्तर पर हुए। व्यापारियों के अनुसार सप्ताहांत रुपये में बढ़त से सोना महंगा बिका। व्यापार में सोना ऊंचे में 35300 नीचे में 34600 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 38900 तथा नीचे में 38075 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का 625 रुपये प्रति नग की मजबूती लिए रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 426.41 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई (आरएनएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को समाप्त सप्ताह में 4.21 अरब डॉलर उछलकर अब तक के रिकॉर्ड स्तर 426.41 अरब डॉलर पर पहुँच गया। पिछला रिकॉर्ड स्तर 13 अप्रैल 2018 को समाप्त सप्ताह में 426.08 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 4.20 अरब डॉलर की बढोतरी दर्ज की गयी और सप्ताहांत पर यह 398.64 अरब डॉलर पर रहा। स्वर्ण भंडार 22.95 अरब डॉलर पर स्थिर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 96 लाख डॉलर बढकर 3.35 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 42 लाख डॉलर चढ़कर 1.45 अरब डॉलर पर रहा।

जीएसटी में और सुधार की जरूरत : उद्योग जगत

नईदिल्ली (आरएनएस)। उद्योग जगत ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने की दूसरी वर्षगाँठ पर सरकार को बधाई देते हुये इसे सरल बनाने की दिशा में जीएसटी परिषद् के काम की सराहना की है तथा कहा है कि अब 'जीएसटी 2.0' की ओर बढ़ते हुये इसमें स्लैबों की संख्या कम की जाये, पेट्रोलियम, रियल इस्टेट और बिजली को शामिल किया जाये तथा 'एक देश, एक पंजीकरण' की व्यवस्था हो।

देश में नयी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली जीएसटी 01 जुलाई 2017 को लागू की गयी थी। इसमें कर के चार स्लैब पाँच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तय किये गये हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष विक्रम किर्लोस्कर ने कहा हम जीएसटी को सफलतापूर्वक लागू करने तथा महज दो साल में इसे स्थिरता प्रदान करने के लिए जीएसटी परिषद् और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड की प्रशंसा करते हैं। ...जीएसटी परिषद् उद्योग जगत के समक्ष आने वाले हर मुद्दे को स्वयं पहल कर हल कर रही है। जीएसटी 2.0 भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास के अगले स्तर पर ले जायेगा।

उद्योग संगठन फिक्की के अध्यक्ष संदीप सोमानी ने भी परिषद् के काम की तारीफ करते हुये कहा, जीएसटी परिषद् एवं कर प्रशासकों ने पिछले दो साल में इसे लगातार सरल बनाने, करों की दरों को तर्कसंगत करने और कर आधार बढ़ाने के लिए जिस तरह से काम किया है वह प्रशंसनीय है। अब हमें जीएसटी ढाँचे के निहित उद्देश्य की ओर बढ़ने की जरूरत है जिससे सही मायने में देश में कारोबार करना आसान हो सके।

दोनों संगठनों ने कर के स्लैबों की संख्या घटाने की माँग की है। फिक्की ने इसे चार से घटाकर तीन करने की माँग की है।

लगातार चौथे दिन बढ़े पेट्रोल, डीजल के दाम

नईदिल्ली (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले दिनों कच्चे तेल में आई तेजी के बाद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में फिर रोजाना वृद्धि होने लगी है। तेल कंपनियों ने लगातार चौथे दिन रविवार को तेल के दाम में वृद्धि जारी रखी। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल फिर नौ पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है और डीजल के भाव में दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में आठ पैसे जबकि चेन्नई में नौ पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है।

देश की राजधानी दिल्ली में चार

दिनों में पेट्रोल 32 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है और डीजल का दाम भी इन तीन दिनों में 29 पैसे प्रति लीटर बढ़ गया है। इंडियन ऑयल की बेवसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में रविवार को पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 70.37 रुपये, 72.63 रुपये, 76.06 रुपये और 73.10 रुपये प्रति लीटर हो गए। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी बढ़कर क्रमशः 64.19 रुपये, 66.11 रुपये, 67.30 रुपये और 67.90 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम बढ़ने के कारण पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ रहे हैं क्योंकि भारत अपनी तेल की जरूरतों का तकरीबन 84 फीसदी हिस्सा आयात करता है। लिहाजा, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होता है तो भारत में पेट्रोल और डीजल समेत तमाम पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

एशियन कलर कोटेड इस्पात के ऋणदाताओं ने जेएसडब्ल्यू की 1,550 करोड़ की बोली को मंजूरी दी

नईदिल्ली (आरएनएस)। कर्ज में फंसी कंपनी एशियन कलर कोटेड इस्पात लिमिटेड (एसीसीआईएल) के ऋणदाताओं ने जेएसडब्ल्यू समूह की 1,550 करोड़ रुपये में अधिग्रहण की बोली को मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कंपनी की दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया शुरू करने के लिये आवेदन किया था। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा आवेदन को स्वीकार किये जाने के बाद पिछले साल जुलाई में प्रक्रिया शुरू हुई। कंपनी के ऊपर करीब 6,500 करोड़ रुपये का बकाया है। सूत्रों के अनुसार, करीब 80 प्रतिशत ऋणदाताओं ने जेएसडब्ल्यू समूह की बोली का पक्ष लिया। किसी भी बोली को मंजूर किये जाने के लिये उसके पक्ष में कम से कम 66 प्रतिशत वोट की जरूरत होती है। सूत्रों ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह ने अधिग्रहण के लिये 1,550 करोड़ रुपये की पेशकश की है।

हुआवेई पर लगा बैन हटा, दो साल में इतने अरब डॉलर का हुआ नुकसान

ओसाका (आरएनएस)। चीनी कंपनी हुआवेई के लिए राहत भरी खबर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हुआवेई पर लगा बैन हटा दिया है। चीनी कंपनी को बड़ी राहत प्रदान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी कंपनियां चीन की दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी (हुआवेई) को प्रौद्योगिकी बेचना शुरू कर सकती हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि प्रौद्योगिकी की यह बिक्री ऐसे उपकरण के लिए न हो जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो।

अमेरिकी प्रतिबंध के कारण हुआवेई को दो साल में तकरीबन 30 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वाणिज्य विभाग की कंपनियों की सूची से हुआवेई को हटाने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर अगले सप्ताह बैठक करेंगे। ट्रंप ने ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा, हम हुआवेई पर फैसला आखिर के लिए छोड़ रहे हैं। हम देख रहे हैं कि व्यापार करार में क्या होता है। उन्होंने कहा कि हुआवेई पर पूर्ण प्रतिबंध हटाने का फैसला व्यापार युद्ध समाप्त करने की दिशा में करार पर निर्भर करेगा। प्रेसवार्ता में कथिततौर पर ट्रंप ने कहा कि चीन और अमेरिका रणनीतिक साझेदार हो सकते हैं।

इससे पहले ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन के मौके पर व्यापार

वार्ता दोबारा शुरू करने पर सहमति जताई। साथ ही, ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर आगे अमेरिका द्वारा नया शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव को स्थगित कर दिया। ट्रंप और जिनपिंग के बीच बनी सहमति के अनुसार, चीन से आयातित 300 अरब मूल्य की वस्तुओं पर अमेरिका फिलवक्त नया शुल्क नहीं लगाएगा। ट्रंप ने 15 मई को हुआवेई को राष्ट्रीय सुरक्षा आदेश के जरिए काली सूची में डाल दी थी। अमेरिका ने सार्वजनिक तौर पर अपने सहयोगी देशों से सुरक्षा को लेकर हुआवेई के उत्पाद का इस्तेमाल से बचने को कहा था। अमेरिका ने चिंता जाहिर की थी कि कंपनी के उपकरण का इस्तेमाल चीन की सरकार निजी सूचना प्राप्त करने के लिए कर सकती है।

आज का राशिफल

मेषः- राशि का स्वामी मंगल-पापग्रहों की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है।

वृषभः- आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है।

मिथुनः- राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्कः- चंद्रमा एकादश भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंहः- राशि स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी।

कन्याः- राशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।

तुलाः- आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी।

वृश्चिकः- आपकी राशि पर शनि एवं सप्तम चंद्र योग अभी सात दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त , जड़ जमा रहे हैं। ।

धनुः- आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।

मकरः- आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा।

कुंभः- आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है। अतः- बेवजह विवाद और अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों से हानि और निराशता कारक है।

मीनः- आज का दिन पुत्र-पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें संबंध खराब होने का खतरा है।

कच्चे केले की पूरियां बनाने की विधि...

सामाग्री-

आटा- 1/2 किलो
कच्चा केला- 5
हरा धनिया- 1-2 टेबल स्पून
लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टेबल स्पून
हरी मिर्च- 3
हल्दी- 1/2टेबल स्पून
कलौंजी- 1/2 टेबल स्पून
अजवायन- 1/2 टेबल स्पून
नमक - स्वादानुसार
तेल- अंदाजानुसार

विधि :

कच्चे केले की पूरियां बनाने के लिए सबसे पहले कुकर में केले और पानी डालकर उबाल लें. उसके बाद उबले ही हुए केले को साफ करके एक प्लेट में रख लें. उसके बाद धनिया और हरी मिर्च को बारीक से काट कर मिला लें. उसके बाद कड़ाही में तेल में मसले हुए केले, कलौंज, हरा धनिया, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और अजवायन डालकर अच्छे से भून लें. अब दूसरे बर्तन में आटा लेकर गूंथ लें.अब आटे की गोली बनाकर उसमें केले के पेस्ट को वैसे ही भरे जैसे आलू के पराठे बनाते वक्त उसमें आलू भरते हैं. बेलन से बेलने के बाद गर्म तेल की कड़ाही में छोड़ दें. पूरियां गोल्डन ब्राउन होने तक तलें और फिर कड़ाही से निकालकर टेस्ट करें.

शब्द सामर्थ्य- 11

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

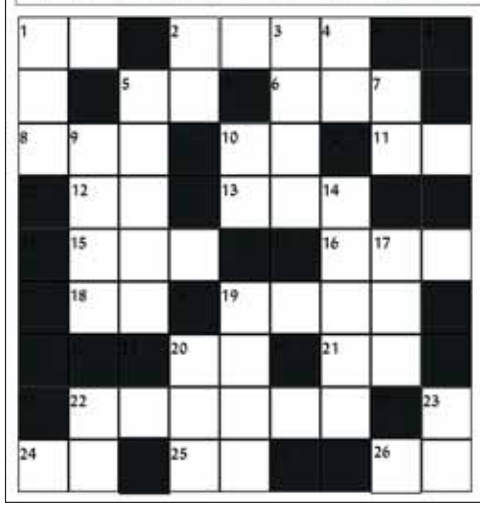

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 10 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 11

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.10 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	■	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5